महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
दूर शिक्षा निदेशालय
बीबीए (सत्र 2014-17) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र /छात्राओं

जिन छात्र /छात्राओं ने बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर में प्रवेश लिया है ऐसे सभी छात्र /छात्राओं की प्रवेश सूची विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऐसे सभी छात्र /छात्राओं को सूचित किया जाता है कि बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर के सत्रीय कार्य को लिखकर **अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें**। निम्नांकित के अनुसार बीबीए चतुर्थ सेमेस्टर के सत्रीय कार्य है:

BBA 205 – कंपनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति

BBA 206 – वित्तीय प्रबंध

BBA 207 – विक्रय प्रबंध

BBA 208 – कंपनी लेखा

उद्देश्य – सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसका विवेचन, विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वंय अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुन: प्रस्तुत न करें, बल्कि पूछे गए प्रश्नों के उत्तर को सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश - सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :-

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

मो.: .....

ई- मेल .....

दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम : बीबीए

प्रश्न पत्र का शीर्षक: .....

प्रश्न-पत्र कोड : .....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

प्रस्तुत सत्रीयकार्य को स्वयं मेरे द्वारा करने के पश्चात हस्ताक्षरित प्रस्तुत किया जा रहा है।

1. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों को अच्छी तरह से बांध लें।
2. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
3. अपनी हस्तलिखित (Handwritten) में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानी पूर्वक अध्ययन करें:

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट होना चाहिए।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

बीबीए (सत्र 2014-17) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : BBA 205
प्रश्न पत्र का नाम : कंपनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति
अंतिम तिथि : 25 मई तक अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत कीजिए।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **पाँच प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कीजिए। यह सत्रीय कार्य कुल 30 अंक का है तथा प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

1. कंपनी निर्माण की प्रक्रिया को संक्षेप में समझाइए।
2. पार्षद सीमानियमन एवं पार्षद अंतर्नियमन में अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. अंशों के पंजीयन से आप क्या समझते हैं? यह हस्तांतरण से किस प्रकार भिन्न है?
4. ऋण पत्र क्या हैं? ऋणपत्रों के किन्हीं पांच प्रकारों का उल्लेख कीजिए।
5. कंपनी के प्रबंधन का कार्य किसके द्वारा किया जाता है?
6. कंपनी की जाँच संबंधी विशेष प्रावधानों का संक्षेप में उल्लेख कीजिए।
7. सभा के दौरान मतदान की विभिन्न विधियों को समझाइए।

बीबीए (सत्र 2014-17) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : BBA 206
प्रश्न पत्र का नाम : वित्तीय प्रबंध
अंतिम तिथि : 25 मई तक अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत कीजिए।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **पाँच प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कीजिए। यह सत्रीय कार्य कुल 30 अंक का है तथा प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

1. एक कुशल वित्तीय प्रबंधक के दायित्वों का उल्लेख कीजिए।
2. अतिपूँजीकरण एवं अल्पपूँजीकरण में अंतर स्पष्ट कीजिए।
3. शुभम कंपनी लिमिटेड का प्रबंधन एक परियोजना में 18,000 रूपये विनियोग करना चाहता है जिससे पांच वर्षों तक आय प्राप्त होगी। परियोजना से शुद्ध आय कर बाद परन्तु ह्रास पूर्व प्रथम वर्ष में 4,000 रूपये, द्वितीय वर्ष में 6,000 रूपये, तृतीय वर्ष में 8,000 रूपये, चतुर्थ वर्ष में 4,000 रूपये तथा पांचवें वर्ष में 2,000 रूपये प्राप्त होगी। आप प्रबंधन को सलाह दीजिए कि क्या यह परियोजना लागू करने योग्य है, यदि प्रबंधन वर्तमान मूल्य की गणना के लिए 10 % की दर का सुझाव डेटा है।
4. एक अनुकूलतम पूँजी संरचना निर्धारित करते समय किन कारकों का ध्यान रखना चाहिए?
5. कार्यशील पूँजी के विभिन्न दृष्टिकोणों को समझाइए।
6. परिचालन चक्र क्या है?
7. एक सुदृढ़ लाभांश नीति की पूर्व आवश्यकताएं क्या हैं?

बीबीए (सत्र 2014-17) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : BBA 207
प्रश्न पत्र का नाम : विक्रय प्रबंध
अंतिम तिथि : 25 मई तक अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत कीजिए।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **पाँच प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कीजिए। यह सत्रीय कार्य कुल 30 अंक का है तथा प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

1. विक्रयकला की प्रकृति एवं क्षेत्र पर प्रकाश डालिए।
2. उत्पाद से आप क्या समझते हैं? उत्पादों के वर्गीकरण को संक्षेप में समझाइए।
3. विक्रय प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं? विक्रय प्रस्तुतीकरण से क्या तात्पर्य है?
4. क्या उपभोक्ता क्रय प्रेरणा के कारण ही कोई वस्तु क्रय करता है? संक्षेप में समझाइए।
5. विक्रयकर्ता के चुनाव करने की प्रक्रिया का उल्लेख कीजिए।
6. विक्रय पूर्वानुमान क्या है? इसकी क्या उपयोगिता है?
7. विक्रय बाजार पर नियंत्रण की तकनीकों का उल्लेख कीजिए।

बीबीए (सत्र 2014-17) चतुर्थ सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : BBA 208
प्रश्न पत्र का नाम : कंपनी लेखा
अंतिम तिथि : 25 मई तक अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत कीजिए।

सूचना : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही **पाँच प्रश्नों** के उत्तर स्व हस्ताक्षर में लिख कर अपने संबंधित अध्ययन केंद्र पर जमा कीजिए। यह सत्रीय कार्य कुल 30 अंक का है तथा प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है।

1. स्वीट समता अंश तथा अधिकार अंश का वर्णन कीजिए।
2. अपहरित अंशों के पुनर्निगमन की प्रक्रिया को समझाइए।
3. मोहन लि. ने महेंद्र लि. की 10,50,000 रु. की संपत्तियां तथा 90,000 रु. के दायित्व 9,90.000 रु. के क्रय प्रतिफल में लिए। मोहन लि. ने 100 रु. वाले ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर निर्गमित करके क्रय प्रतिफल का भुगतान किया। मोहन लि. की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए।
4. खुले बाजार में क्रय द्वारा ऋणपत्रों का शोधन क्यों किया जाता है?
5. ह्रास क्या है? इसके आयोजन करने का क्या औचित्य है?
6. कंपनी के पुनर्निमाण की आवश्यकता क्यों पड़ती है?
7. एकीकृत चिट्ठा क्या है? उदाहरण सहित समझाइए।